दि प्रास्टेट कैंसर चैरिटी, प्रास्टेट कैंसर चैरिटी पुरःस्थग्रंथि के कैंसर के बारे में विभिन्न प्रकार की पुस्तिकाएँ तथा तथ्यकथन पत्र प्रस्तुत करती है जिन्हें संयुक्त राष्ट्र में व्यक्ति विशेष को निःशुल्क भेजा जाएगा।

हम अनुभवी परिचारिकाओं
विश्वस्त हेल्पलाइन **0845 300 8383**
भी उपलब्ध कराते हैं, जिसमें अनुभवी नर्सें काम करती हैं।

यह सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 10 बजे प्रातः से 4 बजे अपराहन तक खुली रहती है। यह परिचारिकाएँ पुरःस्थग्रंथि के कैंसर से चिंतित किसी भी व्यक्ति के प्रश्नों का उत्तर देंगी। इन फोन को प्रशिक्षण तथा गुणवत्ता के उद्देश्यों से संचालित किया जा सकता है।

हम पत्रों तथा ई-मेल द्वारा पूछ-ताछ का भी स्वागत करते हैं। दि प्रास्टेट कैंसर चैरिटी में सूचना तथा सहायता सेवा विभाग को लिखें।

पुरःस्थग्रंथि का कैंसर -कार्य
मई 2001

THE PROSTATE CANCER CHARITY

द प्रास्टेट कैंसर चैरिटी,
3 एंजेल वाक
लंदन W6 9HX

टेलीफोन : 020 8222 7622
फैक्स : 020 8222 7639

विश्वस्त हेल्पलाइन:
0845 300 8383

ई-मेल: info@prostate-cancer.org.uk
सूचना, पोस्टर आदि के लिए आदेश/अनुरोध:
literature@prostate-cancer.org.uk
वेबसाइट: www.prostate-cancer.org.uk

चैरिटी नं.
1005541
के रूप में पंजिकृत

पुरःस्थग्रंथि का कैंसर कार्य

पुरःस्थग्रन्थि का कैंसर

काम

यह संदर्शिका उन लोगों के लिए है जिन को पुरःस्थग्रन्थि का कैंसर हो सकता है या जिन में अभी भी इस रोग का निदान किया गया है। हमें आशा हैं कि यह उन लोगों के लिए भी उपयोगी हो सकती है जो पुरःस्थग्रंथि के कैंसर की चिंता करते हैं या जो इस संबंध में अधिक जानना चाहते हैं।

यह पुरःस्थग्रन्थि के साथ इस संबंध में पृष्ठाधारित सूचना देती है कि पुरःस्थग्रंथि के कैंसर का पता कैसे लगाया जाता है। इस में उपचार के विकल्पों पर चर्चा की गई है तथा कुछ ऐसे प्रश्न प्रस्तुत किए गए है जो आप अपने चिकित्सक से पूछ सकते हैं

पुरःस्थग्रंथि क्या है?

पुरःस्थग्रंथि केवल पुरूषों में होती है। यह ग्रन्थि गोलाकार तथा गोल्फ के गेन्द के आकार की होती है। यह मूत्राशय के निचले भाग में पेडू में होती है। यह ग्रन्थि मूत्रमार्ग (वह नलिका जिस से होकर आप मूत्र करते हैं) के सभी ओर होती है।

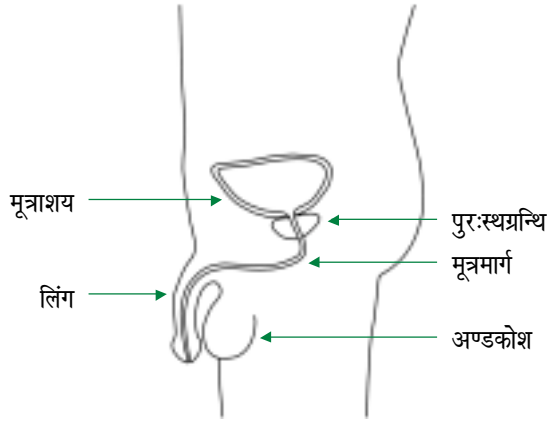

यह क्या करती है?

इसका मुख्य कार्य वीर्य का कुछ द्रव्य तैयार करना है। वीर्य में शुक्राणु होते हैं तथा यह कामोत्तेजित स्थिति में पुरूषों द्वारा वीर्यपात किया गया तरल पदार्थ है।

इस में क्या गड़बड़ी होती है?

सामान्यतः शरीर में सभी कोशिकाओं की वृद्धि को नियंत्रित की जाती है। जब कैंसर तीव्रता से बढ़ने लगती हैं। फिर वे अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं।

पुरःस्थग्रन्थि में ऐसा होने का तात्पर्य यह है कि इसका (पुरःस्थग्रन्थि का) कैंसर हो चुका है। सामान्यतः पुरःस्थग्रन्थि का कैंसर धीरे धीरे बढ़ने वाला कैंसर होता है तथा बहुत दिनों तक इसका पता भी नहीं चल सकता है क्योंकि कभी समस्याएँ उत्पन्न नहीं करता है। परन्तु यह सभी लोगों के लिए सच नहीं है। कभी कभी कैंसर की कोशिकाएँ ग्रन्थि के बाहर भी जा सकती हैं तथा शरीर के किसी अन्य भाग में, प्रायः हड्डी में इस के लक्षण पैदा कर सकती हैं।

इस से कौन प्रभावित होता है?

संयुक्त राष्ट्र में प्रति वर्ष 20,000 पुरूषों में पुरःस्थग्रन्थि के कैंसर का निदान किया जाता है। जिन पुरूषों में इस रोग का निदान किया जाता है, उन में से अधिकांश 60 वर्ष से अधिक आयु के होंगे। लगभग 45 वर्ष की आयु के पुरूष भी इस से प्रभावित हो सकते हैं, परन्तु ऐसा बहुत कम होता है। जैसे पुरूषों की आयु बढ़ती जाती है, उन में पुरःस्थग्रन्थि का कैंसर होने का जोखिम बढ़ता जाता है।

इस के क्या-क्या लक्षण हैं?

सभी पुरूषों में इसके लक्षण नहीं होते हैं तथा आवश्यक रूप में एक जैसे लक्षण भी नहीं होते हैं। इसके लक्षण के रूप में सामान्यतः मूत्र त्याग करने में समस्या होती है।

लक्षण

लक्षण

- बार बार मूत्र त्याग करने की आवश्यकता, विशेषतः रात्रि में
- तेजी से शौचालय जाना
- मूत्र त्यागना आरंभ करने में कठिनाई
- मूत्र त्यागने में ज़ोर लगाना
- मूत्र त्यागने में अधिक समय लगाना
- मूत्र की धार कमजोर होना
- पूर्ण रूप से मूत्र त्यागने के पश्चात यह आभास होना कि आपका मूत्राशय ठीक से खाली नहीं हुआ है।
- मूत्र त्यागने के पश्चात बूँद-बूँद कर टपकना
- मूत्र त्यागने के समय दर्द और परीशानी

इनके अतिरिक्त अन्य लक्षण हो सकते हैं,

- कमर के निचले भाग में दर्द
- पेडू, कूल्हे या जाँघों में दर्द
- नपुंसकता
- मूत्र में रक्त-परन्तु ऐसा बहुत कम होता है।

इस बात से अवगत होना आवश्यक है कि ये लक्षण ऐसी समस्याओं के कारण भी हो सकते हैं जिनका कोई संबंध पुरःस्थग्रन्थि के कैंसर से नहीं होता है।

यदि आप ऐसे लक्षणों से चिंतित हैं जो आप में हैं तो अपने सामान्य चिकित्सक (GP) से मिलें।

इसका निदान कैसे किया जाता है?

जब कोई सामान्य चिकित्सक यह सोचता है कि पुरःस्थग्रन्थि का कैंसर हो सकता है तो वह कुछ जाँच करता है।
सामान्य रूप से की जाने वाली जाँच हैः

- PSA स्तर की माप करने हैं रक्त जाँच
- DRE नामक शारीरिक जाँच

PSA जाँच

पुरःस्थग्रन्थि विशिष्ट प्रतिजन (प्रास्टेट स्पेसिफिक एन्टिजेन यी (**PSA**)), पुरःस्थग्रन्थि द्वारा जनित प्रोटीन होता है। रक्त में कुछ PSA होना सामान्य बात है। यदि पुरःस्थग्रन्थि में कोई समस्या होती है तो रक्त का स्तर बढ़ सकता है। 60 वर्ष के पुरूष के लिए इसका सामान्य स्तर 4 तक होता है। इस सक कम आयु के पुरूषों में यह थोड़ा कम होता है जबकि इससे अधिक आयु वालों में थोड़ा अधिक।

PSA जाँच कैंसर की जाँच नहीं है परन्तु इस से जी पी को यह पता चल सकता है कि चिकित्सालय में अन्य जाँचों की आवश्यकता है।

DRE

मलाशय की आंगुलिक जाँच (डिजिडल रेक्टल एक्जामिनेशन या (DRE)) - यह जी पी द्वारा की जाने वाली एक सरल जाँच है। चिकित्सक मलाशय (पृष्ठ भाग) में उँगली डालकर आपकी पुरःस्थग्रन्थि को टटोल कर देखता है। इसे कष्टदायक नहीं होना चाहिए। कुछ लोगों को डी आर ई कष्टकर या उलझनपूर्ण लग सकती है परन्तु इसमें बहुत समय लगता है।

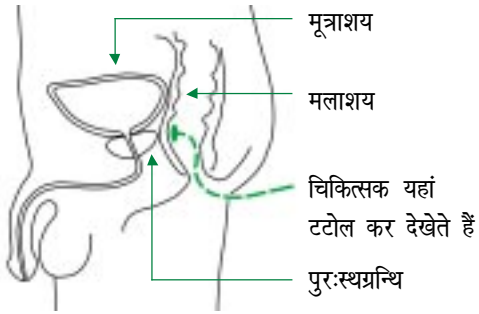

जी पी क्या पता लगाता है?

आपका चिकित्सक पुरःस्थग्रन्थि की सतह में विषमता का अनुभव कर सकता है जिस से उसको पुरःस्थग्रन्थि के कैंसर का संदेह होता है। इस से प्रभावित क्षेत्र अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक कठोर लग सकता है।

यदि आपका जी पी डी आर इ या पी एस ए के निष्कर्ष के कारण कोई चिन्ता होती है तो वह आपको अन्य जांचों के लिए चिकित्सालय जाने का सुझाव देगा।

चिकित्सालय में आप सम्भवतः किसी मूत्रविशेषज्ञ से मिलेंगे जो एक ऐसा विशेषज्ञ शल्यचिकित्सक होता है जिस की रूचि का क्षेत्र मूत्र प्रणाली होता है।

चिकित्सालय में जाँच

चिकित्सालय में कई और जाँच की जाएंगी। प्रायः विशेषज्ञ पी एस ए तथा डी आर ई को दोहराएगी।

वह यह सुझाव दे सकता है कि आपको जीवोति जाँच (बायोप्सी) की आवश्यकता है। इसके अन्तर्गत विश्लेषण हेतु पुरःस्थग्रंथि से ऊतक का एक नमूना लिया जाता है।

TRUS

ऐसा टी आर यू एस (ट्रांस रेक्टल अल्ट्रासाउण्ड मलाशय पार पराध्वनि) द्वारा नियंत्रित जीवोति-जाँच की सहायता से किया जाता है। चिकित्सक एक अल्ट्रासाउंड प्रोब (पराध्वनि एषणी) से पुरःस्थग्रंथि का निरीक्षण करता है। इसे आप के मलाशय (पृष्ठ मार्ग) में डाल दिया जाता है तथा प्रतिबिम्ब पर्दे (स्क्रीन) पर दिखाई देता है।

चिकित्सक इस प्रतिबिम्ब का उपयोग प्रतिदर्शी सूई को पुरःस्थग्रंथि में निर्देशित करने के लिए करता है।

चिकित्सक इस सूई की सहायता है ग्रंथि से थोड़ा सा ऊतक निकालता है।

रोगविज्ञानी (प्रयोगशाला विशेषज्ञ) सुक्ष्मदर्शी से नमूने को देखता है। यदि वह कैंसर पता है तो वह आपके मूत्र विशेषज्ञ को इसकी रिपोर्ट भेजता है।

यह कैंसर धीरे-धीरे बढ़ने वाला, साधारण या अन्य रूप से आक्रमक हो सकता है।

रोगविज्ञानी (पैथोलांजिस्ट) ग्लीसन स्कोर (अंक) का उल्लेख कर सकता है। यह रसौली (ट्युमर) की आकर्मकता दर्शाने की एक ऐसी विधि है जिस में संख्याओं का उपयोग किया जाता है।

यदि यह संख्या दो है तो आक्रमकता न्यूनतम है जब कि दस अधिकतम आक्रमकता को दर्शाता है।

आपके विशेषज्ञ के लिए यह जानना महत्त्वपूर्ण है कि कैंसर कितना आक्रमक है क्योंकि यह आपके उपचार के विकल्पों को प्रभावित कर सकता है।

विशेषज्ञ सी टी स्कैन का सुझाव दे सकता है। सी टी एक ऐसी विधि है

अन्य जाँचें भी की जा सकती हैं। चिकित्सक को यह जाँच करने की आवश्यकता होती है कि कहीं कैंसर ग्रन्थि के बाहर तो नहीं जा चुका है। आपके ग्लीसन स्कोर की भाँति इन जाँचों के परिणाम आपके उपचार के विकल्पों को बदल सकता है।

CT स्कैन

जिसके अन्तर्गत एक्स-रे की सहायता से शरीर के आर पर कतले की भाँति प्रतिबिम्ब तैयार किए जाते हैं।

इसकी सहायता से चिकित्सक पुरःस्थग्रंथि, प्रतिवेशी ऊतकों तथा लसीकापर्व (लिम्फ नोड्स) के देख पाता है।

MRI

मैग्नेटिक रेजोनांस इमेजिंग (एम आर आई अर्थात चुम्बकीय अनुनादी प्रतिबिम्ब) शरीर के भीतर देखने की एक अन्य विधि है, परन्तु इस में एक्स-रे का उपयोग नहीं किया जाता है। प्रतिबिंब तैयार करने के लिए शक्तिशाली चुम्बकों को उपयोग में लाया जाता है।

अस्थि क्रमवीक्षण

आपको अस्थि क्रमवीक्षण (स्कैन) की भी आवश्यकता पड़ सकती है। यह आपके अन्य परिणामों पर निर्भर करता है।

यदि पुरःस्थग्रंथि का कैंसर कुछ दूर तक फैल चुका है तो इसका पता लगाने का सर्वाधिक संभावनीय स्थान अस्थि होती है।

पुरःस्थग्रंथि के कैंसर का उपचार कैसे किया जाता है?

पुरःस्थग्रंथि के कैंसर का उपचार कई विभिन्न विधियों से किया जाता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि कैंसर कितना आक्रमक है, यह आपके शरीर में कहां तथा आपकी आयु क्या है। आपके स्वास्थ्य की सामान्य स्थिति का भी अन्तर पड़ सकता है।

उपचार इस बात पर भी निर्भर करेगा कि आप इस के किस विकल्प को अपनाने का निर्णय लेते हैं।

आपका मूत्र विशेषज्ञ आपके साथ विभिन्न विकल्पों पर बात चीत करेगा। आप कुछ अन्य विशेषज्ञों से भी मिल सकते हैं, जैसे कोई चिकित्सीय अर्बुदविज्ञानी (ऑनकोलॉजिस्ट) जो दवाओं से कैंसर का उपचार करने का विशेषज्ञ होता है, या किसी विकिरण-चिकित्सक (रेडियोथेरापिस्ट) से - जो विकिरण चिकित्सा की सहायता से कैंसर का उपचार करता है।

सीमित कैंसर

यदि कैंसर सीमित है - अर्थात, केवल ग्रंथि में है -तो इसका उपचार विकिरण चिकित्सा, लधु चिकित्सा (ब्रैकिथेरापी) या शल्य चिकित्सा के द्वारा किया जा सकता है। इन सभी उपचारों के अनुषंगी प्रभाव हो सकते हैं। उपचार का चयन करते समय आपको इन पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। जैसा कि पहले वर्णन किया गया है, "सक्रिय संचालन" से इन अनुषंगी प्रभावों से बचा जा सकता है। इस में सब से अंधिक चिंता असंयतता तथा नपुंसकता की होती है।

विकिरण-चिकित्सा

'बाह्य किरण -पुंज विकिरण- चिकित्सा (एक्सटर्नल बीम रेडियोथेरापी)' व्यापक रूप से उपलब्ध है। विशेषज्ञों की कुछ इकाइयां '3 डी कन्फार्मल रेडियाथेरापी' (3 डी अनुवर्त्ती विकिरण चिकित्सा) प्रस्तुत करती हैं, जो किरण'पुंज विकिरण चिकित्सा का एक नवीनीकृत रूप है। इस उपचार का अनुक्रम पांच दिन प्रति सप्ताह के अनुसार 5-7 सप्ताह तक चलता है।

विशेषज्ञ से चर्चा करने योग्य संभावित अनुषंगी प्रभाव के अन्तर्गत मूत्र त्यागने मे कष्ट, असंयतता, आंत्र की समस्या तथा नपुंसकता सम्मिलित हैं। विकिरण -चिकित्सा के प्रति आपके शरीर की अनुक्रिया के उत्थान में सहायता हेतु आपको अतिरिक्त हार्मोन चिकित्सा प्रस्तुत किया जा सकता है।

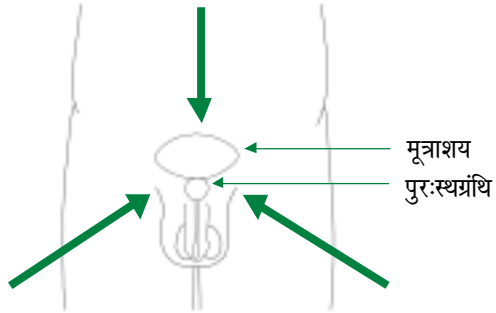

पुरःस्थग्रंथि पर विभिन्न दिशाओं से एक्सरे केन्द्रित किया जाता है।

ब्रैकिथेरापी

ब्रैकिथेरापी एक आन्तरिक विकिरण-चिकित्सक उपचार होती है जिसके अन्तर्गत पुरःस्थग्रंथि में रेडियोधर्मी बीजें रोपित कर दी जाती हैं। यह चेतनाहर (अनेस्थेटिक) के प्रभाव में लाकर किया जाता है तथा चिकित्सालय में रात भर रूकने की आवश्यकता होती है। ब्रैकिथेरापी संयुक्त राष्ट्र में, परन्तु कुछ चयनित केन्द्रों में ही उपलब्ध है।ब्रैकिथेरापी सभी पुरूषों केलिए उपयुक्त नहीं होता है। इस अनुषंगी प्रभावों का संबंध अधिकांशतः मूत्र संबंधी समस्याओं से है। नपुंसकता हो सकती है।

यदि आप ब्रेकिथेरापी के एक अच्छे उम्मीदवार हैं तो इस बात की संभावना होती है कि आप शल्य चिकित्सा के भी एक अच्छे उम्मीदवार हैं।

रेडिकल प्रास्टेटेक्टामी

पुरःस्थग्रंथि को शल्य चिकित्सा के द्वारा निकाला जा सकता है। इसे रेडिकल प्रास्टेटेक्टॉमी (मूलक पुरःस्थोच्छेदन) नामक शल्यकर्म कहते हैं।

शल्यचिकित्सा सभी लोगों के लिए उपयुक्त नहीं है। जैसे सामान्य 70 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति के लिए यह विकल्प नहीं होता है। यदि आप की आयु 70 वर्ष से अधिक है तो आपके लिए विकिरण चिकित्सा की संभावना अधिक है।

इस प्रकार के शल्यकर्म का महत्त्वपूर्ण जोखिम असंयतता तथा नपुंसकता है। ये बाद में आपको कैसे प्रभावित कर सकते हैं, इस संबंध में विस्तृत वर्णन के लिए अपने शल्य चिकित्सक से बात करें।

हाल ही में रेडिकल प्रास्टेटेक्टामी एक 'कुंजी खाँचे (की होल) शल्यकर्म के रूप में सुलभ होने लगा है। अभी तो कुछ ही शल्यचिकित्सक इस विधि को अपना पाते हैं परन्तु समय के साथ यह अधिक प्रचलित हो जाएगा।

यदि आप रेडियोथेरापी के संबंध में अधिक विवरण चाहते हैं तो हम से सम्पर्क करें तथा हमारे टूल किट फैक्ट्सशीट (तथ्य-कथन पत्र) की माँग करें।

एक्टिव मानीटरिंग

कुछ कैंसर कम गति से बढ़ने वाले तथा अनाक्रमक होते हैं, अतः आपका विशेष सक्रिय मापक क्रिया (एक्टि मानीटरिंग) की अनुशंसा कर सकता है जिसे कभी-कभी 'सतर्क प्रतीक्षा' कहते हैं। आपके पी एस ए स्तर की नियमित रूप से जांच की जाएगी अतः आपके कैंसर का उपचार किए जाने के बजाए इसे मानीटर किया जाता है। ऐसी स्थिति में जब कैंसर कोई शारीरिक क्षति नहीं पहुंचा रहा हो, यह उपचार के अनुषंगी प्रभावों से बचने का एक अच्छा उपाय है।

वृद्ध व्यक्तियों के लिए अनुशंसा अधिक की जाती है। आपके पास इस विकल्प को अपनाने के अच्छे कारण हो सकते हैं, विशेषतः ऐसी स्थिति में जब आपके कैंसर के बढ़ने की गति कम हो। यह नहीं सोचें कि आपके चिकित्सकगण केवल पैसा बचा रहे हैं। यदि आप इससे अप्रसन्न हैं तो आपको इस विकल्प चुनने की आवश्यकता नहीं है।

कुछ इस प्रकार के उपचार भी हैं जो कम प्रचलित हैं। यदि आपको इन से संबंधित सूचना चाहिए तो दि प्रास्टेट कैंसर चैरिटी हॉस्पीटल हैल्पलाइन
0845 300 8383
पर फोन करें

पुरःस्थग्रंथि का उन्नत कैंसर

यदि कैंसर ग्रंथि से आगे बढ़ जाए तो आपके विकल्प भिन्न होते हैं।

आपके चिकित्सक आपको होर्मोन उपचार दे सकते हैं।

पुरःस्थग्रंथि के कैंसर को बढ़ने तथा निरंतर फैलने के लिए पुरूष हार्मोन टेस्टोस्टेरोन की आवश्यकता होती है। कैंसर को टेस्टोस्टेरोन से वंचित करने पर हार्मोन उपचार से कैंसर छोटा हो सकता है। यह सामान्यतः पी एस ए स्तर को गिरा भी देगा। हार्मोन उपचार लक्षणों से मुक्ति दिलाने में अच्छा होता है – विशेष कर अस्थि कष्ट तथा मूत्र संबंधी समस्याओं से।

ऐसा हो सकता है कि हार्मोन उपचार से कैंसर ठीक नहीं हो परन्तु इससे इस बात की असाधारण संभावना होती है कि यह कैंसर को कई वर्षों तक नियंत्रण में रखेगा। आपके शरीर में जहां कहीं भी कैंसर हो, यह वहां काम करता है।

हार्मोन चिकित्सीय

औषधि उपचार का उपयोग सामान्यतः हार्मोन उपचार के रूप में किया जाता है।

इसका अर्थ यह हुआ कि आपको मासिक या त्रैमासिक रूप से इंजेक्शन दिया जाएगा या प्रतिदिन गोलियां दी जाएंगी या दोनों मिला जुला कर दिए जाएँगे।

आपका चिकित्सक यह निर्णय लेने में आपकी सहायता करेगा कि कौन सा उपचार आपके लिए श्रेष्ठ है।

शल्य चिकित्सीय

हार्मोन उपचार का एक शल्य चिकित्सीय रूप भी होता है। इसके अन्तर्गत अण्डकोषों को निकाला जा सकता है।

उन्नत प्रकार की आधुनिक औषधि से, जो सामान्य रूप से प्रभावशाली हैं, यह शल्यकर्म तुलनात्मक रूप से कम प्रचलित हैं। यह सुनने में खतरनाक लगता है, परन्तु कुछ व्यक्तियों के लिए यह एक अच्छा विकल्प है।

यह शल्यक्रिया उतना ही प्रभावशाली है जितना कि औषधि उपचार। ऐसी शल्यचिकित्सा पूर्ण रूप से आपकी सूचित सहमति के बिना कभी नहीं की जाती है।

यदि आप इस से अप्रसन्न हैं तो आपको यह विकल्प चुनना नहीं पड़ता है।

सभी प्रकार के हार्मोन उपचार के सामान्य अनुषंगी प्रभाव तमतमाहट, उच्छता प्राप्त करने तथा इसे बनाए रखने में समस्या तथा यौन संबंध में रूचि कम होना है। आप अपने विशेष उपचार के अनुषंगी प्रभावों पर अपने चिकित्सक से बातचीत करें।

कुछ चिकित्सक उन्नत कैंसर को नियंत्रण में रखने के लिए बाद के उपचार में रसायन -चिकित्सा का उपयोग करेंगे। पुरःस्थग्रंथि का कैंसर इस चरण में रसायन-चिकित्सा के प्रति अच्छी अनुक्रिया दर्शाती है तथा इसका उपयोग सफलतापूर्वक दिया जाता है।

आपकी अनुभूतियाँ...

पुरूष पुरःस्थग्रंथि के कैंसर के निदान के सभी प्रकार के उपायों में अनुक्रिया करता है। आभास करने या आपके किसी घनिष्ट व्यक्ति के प्रतिक्रिया करने का कोई सही या गलत तरीका नहीं होता है। इससे संबंधित सभी लोगों की सामान्य अनुभूतियाँ आघात, अविश्वास, भय तथा अनिश्चितता, क्रोध अथवा रोष हैं। इनके कारण प्रत्याहार या अलगत्व की अनुभूति हो सकती है। कुछ लोगों को नियंत्रण से बाहर का आभास होता है, जब पहली बार उनका निदान किया जाता है।

नियंत्रण में वापस आने का एक उपाय प्रश्न पूछना होता है। जब आप अपने विशेषज्ञ या जी पी से मिलने जाते हैं तो इस से आपको प्रश्नों की एक सूची लेने में सहायता मिल सकती है।

लोगों को क्या बताएँ

इस संबंध में कोई नियम नहीं है। सब से अच्छी बात यह है कि अपना समय लें तथा वह करें जो आपको अपने लिए अच्छा लगे। आप अपनी परिस्थितियों को स्वयं जानते हैं।

कभी-कभी लोग अपने चिकित्सकों के साथ बात-चीत करने में अपने साथियों या परिवारों को सम्मिलित नहीं करते हैं। वो ऐसा अपने परिवार को अनावश्यक घबराहट से बचाने के लिए करते हैं। परन्तु इसका ऐसा परिणाम बहुत कम होता है। प्रायः वह इससे अलग कर दिए जाने के कारण अधिक चिंतित हो जाते हैं। प्रियजन सहायता के महत्त्वपूर्ण श्रोत होते हैं - और वो आपके वास्ते आश्चर्यजनक रूप से मजबूत हो सकते हैं।

यहाँ बताए गए सभी तथ्यों पर हमारे टूल किट तथ्यकथन पत्र (फैक्ट्सशीट) में अधिक विस्तार से चर्चा किया गया है तथा इसे दि प्रास्टेट कैंसर चैरिटी हॉस्पीटल से अनुरोध कर के प्राप्त किया जा सकता है।

आपके चिकित्सक से पूछने के लिए प्रश्न

आप मुझे कैंसर के बारे में इसके आकार, स्थान तथा वृद्धि की गति के बारे में क्या बता सकते हैं?

मेरे लिए कौन सा उपचार संभव है?

आप किस की अनुशंसा करते हैं और क्यों?

क्या मुझे शीघ्रता से निर्णय लेना है?

मेरी आयु के पुरूष के लिए उपचार के क्या अनुषंगी प्रभाव हो सकते हैं?

क्या मैं अपने कैंसर के बारे में अन्य विशेषज्ञ से बात कर सकता हूँ?

मुझे पुरःस्थग्रंथि के कैंसर के बारे में अपने बेटे को क्या राय देनी चाहिए?

दि प्रास्टेट कैंसर चैरिटी, 3 Angel Walk, London W6 9HX
टेलीफोन: 020 8222 7622 फैक्स: 020 8222 7639 विश्वस्त हैल्पलाइन: 0845 300 8383
ई-मेल: info@prostate-cancer.org.uk वेब साइट: www.prostate-cancer.org.uk
सूचना, पोस्टर आदि के लिए आदेश/अनुरोध : literature@prostate-cancer.org.uk

दि प्रास्टेट कैंसर चैरिटी पुरःस्थग्रंथि के कैंसर से संबंधित वैज्ञानिक अनुसंधान में सहायता करती है। यह उन लोगों तथा परिवारों को सूचना तथा सहायता भी उपलब्ध कराती है जिनका जीवन इस से प्रभावित है। प्रास्टेट कैंसर चैरिटी अपना काम करते रहने के लिए पूर्ण रूप से धर्मार्थ दान पर आश्रित है।

उन प्रकोष्ठों को चिन्हित करें जो आप पर लागू हैं।

☐ हाँ, मैं पुरःस्थग्रंथि के कैंसर के संबंध में अधिक विस्तृत सूचना चाहूंगा।

☐ मैं उन उपायों के संबंध में अतिरिक्त सूचना चाहूँगा जिन से एक स्वयंसेवी या धन उगाहने वाले के रूप सहायता कर सकता हूँ
(उचित होने पर काट दें)

☐ कृप्या मुझे दान देने अथवा नियमित उपहार देने की प्रक्रिया स्थापित करने से संबंधित अतिरिक्त सूचना भेजें।

कृप्या बॉक्स को चिन्हित करें ताकि हम सूचना हेतु आपके अनुरोध पर कार्यवाही कर सकें।

☐ हाँ मेरे व्यक्तिगत विवरण को इस शर्त पर अंकित किया जा सकता है कि इसे किसी तीसरे पक्ष को उपलब्ध नहीं कराया जाएगा तथा इसका उपयोग केवल प्रास्टेट कैंसर चैरिटी से सूचना तथा डाक प्राप्त करने के लिए किया जाएगा।

THE PROSTATE CANCER CHARITY

चैरिटी नं. 1005541 के रूप में पंजीकृत

अब नीचे अपना ब्योरा भरें तथा इसे दि प्रास्टेट कैंसर चैरिटी को वापस करें

उपाधि(Title): .....

पूर्वनाम (Forename): .....

उपनाम (Surname): .....

पता (Address): .....

.....

डाक कोड (Postcode): .....

ई-मेल (Email): .....